>

Title: Need to recognize the M.D. Radiotherapy course in Netaji Subhas Chandra Bose Medical College, Jabalpur, Madhya Pradesh by the Medical Council of India.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): माननीय सभापति महोदय, मेरे लोक सभा क्षेत्र जबलपुर में मैडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल का शासकीय कैन्सर चिकित्सालय संपूर्ण महाकौशल क्षेत्र का एकमात्र कैन्सर चिकित्सालय है। यहाँ लगभग 300 किलोमीटर दूर तक से मरीज़ उपचार के लिए आते हैं। इस मैडिकल कॉलेज में रेडियोथैरेपी कार्यक्रम में दो पीजी सीट्स हैं जिनमें छात्रों के प्रवेश पर पिछले चार वर्षों से एमसीआई द्वारा रोक लगाई गई है। मैडिकल कॉलेज द्वारा एमसीआई से इस पाठ्यक्रम की मान्यता के लिए लगातार इंस्पैक्शन कराया जा रहा है। सबसे पहले 2003 में इंस्पैक्शन हुआ। उसमें जिन कमियों का उल्लेख किया गया, उनकी पूर्ति कर दी गई। इसके पश्चात् 2008 में दूसरा इंस्पैक्शन हुआ जिसमें एमबीबीएस के पाठ्यक्रम में मान्यता न होने के कारण रेडियोथैरेपी कोर्स को मान्यता नहीं दी गई। इसके बाद आखिरी इंस्पैक्शन 8 अप्रैल, 2010 में हुआ जिसमें दो कारणों से मान्यता को रोका गया। पहला कारण रेडियो-सर्जरी के उपकरणों का न होना और दूसरा एमबीबीएस के पाठ्यक्रम में कमियाँ होना।

महोदय, सरकार की जानकारी के लिए एमसीआई रूल बुक के अनुसार एमडी (रेडियोथैरेपी) पाठ्यक्रम को चलाने के लिए दोनों चीज़ों की आवश्यकता ही नहीं है। फिर भी यदि पहले ऑब्जैक्शन की बात करें तो तथ्य यह है कि पूरे देश में रेडियो-सर्जरी उपकरण मात्र चार-पाँच निजी और सरकारी मैडिकल कॉलेजों में उपलब्ध हैं। इस हिसाब से देखा जाए तो देश के केवल इन कॉलेजों को छोड़कर बाकी सभी कॉलेजों की मान्यता रद्द हो जानी चाहिए। इसी तरह से दूसरे ऑब्जैक्शन के बारे में भी स्थिति यह है कि एमडी (रेडियोथैरेपी) पाठ्यक्रम, एमबीबीएस पाठ्यक्रम का मात्र एक ऑप्शनल विषय है जिसका एमबीबीएस पाठ्यक्रम की मान्यता से कोई संबंध ही नहीं है। जबलपुर मैडिकल कॉलेज से पिछले वर्षों में एमडी (रेडियोथैरेपी) के लगभग 26 डॉक्टर पास हो चुके हैं जो देश के प्रतिष्ठित कैन्सर चिकित्सालयों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। देश में ऐसे कई मैडिकल कॉलेज एमसीआई की मान्यता से चल रहे हैं जहाँ पर रेडियो- सर्जरी उपकरण नहीं हैं। इससे ऐसा लगता है कि एमसीआई द्वारा जबलपुर मैडिकल कॉलेज को मान्यता देने में बिना वजह आपत्तियाँ लगाई जा रही हैं।

महोदय, आज देश में कैन्सर के रोगियों की संख्या प्रतिदिन बढ़ रही है। यह ऐसा रोग है जिसका उपचार प्रारंभिक अवस्था में किया जाना आवश्यक होता है। इसके लिए चिकित्सा विशेषज्ञों की आवश्यकता भी होती है लेकिन एमसीआई की हठधर्मिता के कारण ऐसे चिकित्सक छात्रों और चिकित्सकों की कमी हो रही है जिसका दुष्परिणाम जनता को भुगतना पड़ रहा है। अतः आपके माध्यम से मेरा आग्रह है कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मैडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, जबलपुर में एमडी (रेडियोथैरेपी) पाठ्यक्रम को मान्यता प्रदान करने हेतु शीघ्र कार्रवाई की जाए।

सभापति महोदय : श्रीमती ज्योति धुर्वे एवं श्री हंसराज गं. अहीर का नाम श्री राकेश सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध किया जाता है।